Social media infuencers to mobilise voters in LS polls

PNS ■ LUCKNOW

The district administration has enlisted the help of influencers to bolster voter awareness in Lucknow district. District Election Officer/District Magistrate Lucknow, Surya Pal Gangwar, convened a significant meeting with over 50 young social media influencers to mobilise voters for the Lok Sabha elections, scheduled for May 20 in Lucknow, under the SVEEP programmes.

The district election officer said that these influencers, now designated as 'Yuva Saathi', will raise awareness among the district residents about voting on May 20 and encourage voter turnout on the polling day. During the meeting, the district election officer emphasised the vital role of voting in democracy and urged participants to not only exercise their own vote but also inspire others to do the same.

The DM emphasised the commencement of a large-scale voter awareness campaign in the district to motivate people to vote. He assured that adequate arrangements are being made at all polling stations for the convenience of voters. Furthermore, the DM highlighted that every eligible voter who turned 18 by April 1, 2024, should ensure their names are on the voter list and cast their vote on election day as a civic duty. He provided instructions for individuals whose names are not yet on the voter list, offering them the opportunity to register until April 23, 2024, via the ECI website or voter helpline app using Form 6. Address changes can also be made using Form 8. He underscored the Election Commission's commitment to providing essential facilities at all polling stations, including seating arrangements, drinking water, toilets, and shelters. He urged all residents to exercise their voting rights.

Moreover, the district election officer distributed slips containing his message to all participants, aiming to increase the district's voter turnout. Additionally, voter awareness programmes are being conducted daily in all district schools. The DM announced the Lucknow Voter Cup Cricket Match at KD Singh 'Babu' Stadium between the district administration officials and social media influencers on Sunday.

BRAILLE BALLOT SHEETS AT POLLING BOOTHS

Uttar Pradesh Chief Electoral Officer Navdeep Rinwa announced that visually impaired voters will have the option to cast their votes using dummy ballot sheets in Braille script during the Lok Sabha elections.

"These Braille ballot sheets will be provided at every polling booth. The serial numbers of the candidates on the EVMs will be engraved on the right side of the blue button. Once the candidate list is finalised, it will be transcribed into Braille script on the dummy ballot sheets. The Braille sheet will include the ballot unit number, candidate serial number, candidate name, and party name. If there are more than 15 candidates, separate ballot unit-1 and ballot unit-2 sheets will be prepared," he explained.

Visually impaired voters can request these Braille ballot sheets at the polling booth. "After casting their vote, the dummy ballot sheet will be collected by the presiding officer, who will maintain a record of voters utilising this facility," Rinwa said.

"The Braille dummy ballot sheets will mirror the format of the official ballot paper, displaying candidate numbers, names, party affiliations, and constituency details," he elaborated.

Rinwa highlighted the extensive publicity efforts via print, electronic, and social media platforms to raise awareness among visually impaired voters about these facilities.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै० दैनिक जागरण, लखनऊ...... दिनांक ......14 APR 2024

मतदान केंद्रों पर आकर ही वोट डाल सकेंगे एनआरआइ

राज्य ब्यूरो, जागरण लखनऊ : लोकसभा चुनाव में विदेश में रह रहे भारतीय (एनआरआइ) मतदाताओं को वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर ही आना होगा। हालांकि निर्वाचन आयोग ने विदेश में तैनात सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को डाक मतपत्र से मतदान का अधिकार दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इन्हें आनलाइन मतपत्र भेज दिया गया है। इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम (ईटीपीबीएस) के जरिये इन्हें मतदान करने की सुविधा दी गई है। एनआरआइ मतदाता लंबे समय से डाक मत पत्र के जरिये मतदान की सुविधा देने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में 1184 एनआरआइ मतदाता हैं। इन्हें मतदान के लिए फार्म छह ए भरना होगा। मतदान से पहले मतदाता पहचान पत्र दिखाने की जरूरत नहीं है, पासपोर्ट दिखाकर मतदान कर सकते हैं। विदेश में पढ़ाई या रोजगार तथा अन्य कारणों से रहने वाले उन्हीं भारतीयों को मतदान करने का अधिकार दिया गया है जिनके पास दूसरे देशों की नागरिकता नहीं है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके विदेश में रहने वाले युवा मतदाता मतदान वाली तिथि से 10 दिन पहले सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद अन्य एनआरआइ की तरह वे भी पासपोर्ट दिखा कर मतदान कर सकते हैं।

समाचार पत्र का नाम ....दै० राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ.... दिनांक ....14 APR 2024....

अब तक 16.24 लाख लोग पाबन्द किए गए

■ आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के 483 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये, 4108 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोस चुनाव के मद्देनजर पूरे प्रदेश में निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए 2280567 लोगों को पाबन्द करने का नोटिस जारी किया गया है और 1624035 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। पुलिस विभाग द्वारा आपराधिक व्यक्तियों के 483 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 4108 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। 5979 अवैध शस्त्र, 6067 कारतूस, 2144.5 किलोग्राम विस्फोटक व 317 बम बरामद कर सीज किये गये।

उन्होंने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नारकोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कुल 14367.38 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी आदि जब्त किये गये। बाराबंकी की हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 12.50 लाख रुपये की 250 ग्राम ड्रग तथा मिर्जापुर विधानसभा में 12.50 लाख रुपये की 65 ग्राम ड्रग पकड़ी गयी। बांदा विधानसभा में 55.45 लाख रुपये की 792.09 ग्राम बहुमूल्य धातु एवं 10.09 लाख रुपये नगद तथा गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में 47.67 लाख रुपये की 657.56 ग्राम बहुमूल्य धातु पकड़ी गयी। इसी तरह सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 9291280 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 5603727 तथा निजी स्थानों से 3687553 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयीं। वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग दुरुपयोग के 1222 तथा लाउडस्पीकर एक्ट उल्लंघन के 2188 मामलों में कार्रवाई की गयी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 अमर उजाला लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

सांसद बृजभूषण के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज

गोंडा। बिना अनुमति वाहनों का काफिला निकालने पर भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया है। फ्लाइंग स्क्वॉयड टीम (एफएसटी) के प्रभारी डॉ. नजमुल इस्लाम की तहरीर पर खरगूपुर थाने में केस दर्ज किया गया है। इसमें अमर उजाला में प्रकाशित खबर का जिक्र है।

गोंडा संस्करण में 'छुट्टी मनाता रहा प्रशासन, दौड़ता रहा बृजभूषण का काफिला' शीर्षक से प्रकाशित समाचार का संज्ञान लेते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने पुलिस और प्रशासन को तत्काल प्रभाव से केस दर्ज कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद एफएसटी और पुलिस हरकत में आई। संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

बृजभूषण पर आचार संहिता उल्लंघन का केस

खरगूपुर/गोंडा, संवाददाता। जिले में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का एक और मामला दर्ज किया गया है। खरगूपुर थाने में कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज कराई गई है। बिना अनुमति गाड़ियों का काफिला निकालने और जनसंपर्क करने पर कार्रवाई की गई है।

कैसरगंज सीट से अभी किसी दल ने अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। उम्मीदवार को लेकर कयासों का दौर जारी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ एडीएम चंद्रशेखर ने बताया कि इससे पहले करनैलगंज विधानसभा क्षेत्र के एआरओ ने उनके खिलाफ नोटिस जारी की थी।

बिना अनुमति काफिला निकालने पर हुई सांसद पर कार्रवाई

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

बृजभूषण के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

गोंडा : कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शनिवार को आदर्श चुनाव आचार संहिता व निषेधाज्ञा के उल्लंघन की एफआईआर दर्ज की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि आरोप है कि बृजभूषण ने बिना मंजूरी एक दर्जन से अधिक वाहन लेकर शुक्रवार को जनसंपर्क किया। कटरा बाजार की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के प्रभारी डॉ. नजमुल इस्लाम ने मामला दर्ज करवाया है। (भाषा)

एक ही राज्य में कई भाषाओं में तैयार होती है मतदाता सूची

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

भारतीय लोकतंत्र का कोई मुकाबला नहीं है। दुनियाभर में इसकी मिसाल दी जाती है। इसका एक सटीक उदाहरण चुनाव आयोग भी पेश करता है। इतने बड़े देश के हर हिस्से हर तरह की हिंदी-अंग्रेजी-उर्दू के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग किया जाता है। लिहाजा चुनाव में आम मतदाताओं को उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में मतदाता सूची तैयार की जाती हैं। इससे मतदाता और संसदीय लोकसभा क्षेत्रों में राजनीतिक दलों, चुनाव कराने वाले कर्मचारियों को आसानी होती है। यहां तक चुनाव चिनि के अलावा प्रत्याशियों के नामों को उनकी भाषा में प्रदर्शित करने के उपाय किए जाते हैं।

■ मतदाता सूची में अपनी भाषा में नाम कहीं हिन्दी तो कहीं उर्दू जुबान

■ हिन्दी-अंग्रेजी-उर्दू, क्षेत्रीय भाषाओं के अलावा नेपाली को मिलती है जगह

लोकसभा की 543 सीटों के चुनाव के लिए चुनाव पूर्व की तैयारियां करीब-करीब पूरी हो चुकी हैं। संसदीय क्षेत्र के अनुसार मतदाता सूचियों को पुनरीक्षण होकर कर अंतिम मतदाता सूची भी तैयार हो चुकी है। 19 अप्रैल से चरणबद्ध तरीके से मतदान का सिलसिला शुरू हो जाएगा। फिर मतदान केंद्र पर पहुंचने वाले मतदाताओं को उनके राज्य और संसदीय क्षेत्र में तैयार मतदाता सूची में उनकी भाषा में उनका नाम और उनका अन्य विवरण जरूर देखने को मिलेगा। इससे उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम/पता खोजने में सहूलियत भी होगी। हांलाकि मतदाता के पूर्व उनके नाम की पर्चियां भी संबंधित मतदान कर्मी देते हैं।

कई राज्यों में एक नहीं, कई भाषाओं का आम लोग प्रयोग करते हैं। ऐसे में उस राज्य के संसदीय क्षेत्रवार उपयोग होने वाली सभी भाषाओं मे मतदाता सूची तैयार की जाती है, जोकि वहां के मूल भाषा से अलग होगी। उदहारण के तौर पर उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाता है, लेकिन यहां कुछ संसदीय क्षेत्रों में केवल उर्दू भाषा को जानने वाले मतदाता है। ऐसे में उन क्षेत्रों में उर्दू में भी मतदाता सूची बनती है।

भाषा	राज्य/संसदीय क्षेत्र
केवल हिन्दी	बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, उत्तराखंड
केवल अंग्रेजी	मेघालय, मिजोरम, नंगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश
ओडिया	ओडिशा
हिन्दी	मध्य प्रदेश
हिन्दी/उर्दू	भोपाल
हिन्दी/अंग्रेजी	दिल्ली, अंडमान निकोबार
हिन्दी	उत्तर प्रदेश
हिन्दी/उर्दू	सहारनपुर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा, मेरठ
बंगाली	पश्चिम बंगाल
अंग्रेजी	कोलकाता साउथ, कोलकाता नार्थ
बंगाली/अंग्रेजी	बारासात, डायमंड हार्बर, मेदिनीपुरी
बंगाली/नेपाली	दार्जीलिंग
असमी	असम
बंगाली	करीमगंज/सिल्चर
असमी	ऑटोनोमस डिस्ट्रिक
तेलगू	आंध्र प्रदेश
कोकणी/मराठी/अंग्रेजी	गोवा
गुजराती	गुजरात, दमन द्वीव
ऊर्दू	जम्मू-कश्मीर
उर्दू/हिंदी	ऊधमपुर और जम्मू
कन्नड़	कर्नाटक
कन्नड़/मराठी	चिकोडी, बेलगाम, बिडर, उत्तरा कंन्नडा
कन्नड़/अंग्रेजी	बेंग्लुरू-रुरल, बेंग्लुरू-नार्थ, बेंग्लुरू-सेंट्रल, बेंग्लुरू-साउथ, कोलार
मलयालम	केरल, लक्षद्वीप
मलयालम/कन्नड़	कासरगोड
मलयालम/तमिल	इडुक्की
मराठी	महाराष्ट्र
मराठी/अंग्रेजी	नागपुर, थाणे, मुंबई-नार्थ, मुंबई-नार्थ वेस्ट, मुंबई-ईस्ट, मुंबई-नार्थ सेंट्रल, मुंबई-साउथ सेंट्रल, मुंबई-साउथ, पुणे
मणिपुरी	इनर मणिपुर
मणिपुरी/अंग्रेजी	आउटर मणिपुर
पंजाबी	पंजाब
पंजाबी/हिन्दी	गुरुदासपुर, अमृतसर, जालंधर, होशियापुर, पटियाला, लुधियाना, फिरोजपुर
तमिल	तमिलनाडु

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

FIRs against Brij Bhushan for taking out roadshow sans nod

Arshad Afzaal Khan | TNN

Brij Bhushan Sharan Singh

Ayodhya: The Election Commission of India has issued a notice to BJP MP from Kaiserganj and former president of Wrestling Federation of India (WFI) Brij Bhushan Sharan Singh for organising a roadshow without permission, in Gonda, in violation of the model code of conduct.

The SDM of Karnailganj tehsil issued the notice to Singh, a six-time MP, on Saturday for taking out the roadshow without permission from the administration.

A fleet of about 25-30 SUVs and four-wheelers were part of the roadshow on Thursday which passed through Karnailganj, Khargupur and Parasrampur areas of Gonda. These areas come under Kaiserganj constituency.

District election officer Neha Sharma said FIRs have been registered against Singh in three police stations of Khargupur, Karnailganj and Parasrampur for violating the model code. Gonda administration has also issued show-cause notices to SHOs of these areas as for not preventing the roadshow.

No party has so far declared candidates for Kaiserganj. Interestingly, Singh, who is hopeful of a BJP ticket from the constituency, did not use any BJP flag in his roadshow.

Polling in Kaiserganj is scheduled on May 20.

Meanwhile, BJP's Gonda district president Amar Kishore Kashyap said the party organization will campaign for any candidate who will be fielded and added that what matters more is the victory of the party symbol, that is, lotus.

दै0 इण्डियन एक्सप्रेस, लखनऊ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दिनांक 14 APR 2024

Brij Bhushan is sitting MP from Gonda

Brij Bhushan booked for poll code violation

Gonda: A case for violation of the Model Code of Conduct and prohibitory orders was on Saturday filed against BJP MP from Kaiserganj and former Wrestling Federation of India chief Brij Bhushan Sharan Singh.

District Magistrate Neha Sharma said the MP visited several villages in the Katra Assembly segment of his constituency with a convoy of about 25-30 vehicles on Friday without permission. The in-charge of the flying squad team filed a case under relevant sections against Singh, Sharma said.

The DM said restrictions under the CrPC section 144 is in force in the district in view of the Lok Sabha elections and that the district administration was committed to complying with the Model Code of Conduct. Strict action will be taken if anyone violates it, the official added. Station in-charge Dinesh Singh said a case has been registered and the investigation was handed over to Sub-Inspector Mrityunjay Singh.

The BJP is yet to declare its candidate for Kaiserganj seat. **PTI**

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दै० हिन्दुस्तान टाइम्स, लखनऊ .... दिनांक .... 14 APR 2024

Brij Bhushan booked for poll code violation

HT Correspondent
letters@htlive.com

GONDA: Still awaiting the party's nod to contest the forthcoming election, the sitting BJP MP from Kaiserganj, Brij Bhushan Sharan Singh, was found to have violated the model code of conduct (MCC) on Thursday by taking out a roadshow in certain areas of Gonda district without official permission.

As the roadshow covered Karnailganj, Khagupur and Parasrampur police station areas, which are parts of the Kaiserganj constituency, FIRs regarding the violation were registered in police stations of all three locations, officials said.

Also, the district administration has issued show-cause notices to three station house officers for not acting against the MP when his roadshow was crossing their respective jurisdictions.

Confirming the development, district election officer Neha Sharma said two persons, including Singh, had been booked in the FIR.

While the BJP is yet to declare its candidate for Kaiserganj, where polling is scheduled on May 20, the sitting MP and former Wrestling Federation of India (WFI) chief has been busy with his 'jansampark' campaign. However, no name or picture of any BJP leader is being used. On Thursday too, no vehicle in his caravan was seen carrying the party flag.

BJP MP Brij Bhushan Sharan Singh. FILE

Commenting on who the party was likely to pick for Kaiserganj, BJP Gonda district president Amar Kishore Kashyap said, "Our organisation does not see faces. We're not concerned with who will be the candidate...we work for the 'lotus' (the party's symbol)."

According to sources in the BJP, the party leadership was brainstorming over the likely implications of fielding Singh, given the controversies surrounding him during his tenure as the WFI chief.

The MP is facing allegations of sexual harassment levelled by women wrestlers. The issue gained traction after Khaps and farmers from Haryana demanded the government take action against Singh. He also has a list of other criminal charges, which include murder and kidnapping, in Uttar Pradesh.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....दै0 दैनिक जागरण, लखनऊ.... दिनांक ....14 APR 2024....

चुनाव के दौरान उपलब्ध रहेगी एयर एंबुलेंस

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : लोकसभा चुनाव में अर्द्धसैनिक बलों व पुलिस के आकस्मिक आवागमन तथा कर्मचारियों को स्वास्थ्य बिगड़ने की दशा में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एयर एंबुलेंस और हेलीकाप्टर उपलब्ध रहेंगे। गृह विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

पहले चरण में 18 व 19 अप्रैल को मुरादाबाद, दूसरे चरण में 25 व 26 अप्रैल को अलीगढ़ में, तीसरे चरण में छह व सात मई को आगरा में, चौथे चरण में 12 व 13 मई को कानपुर में, पांचवें चरण में 19 व 20 मई को झांसी में, छठवें चरण में 24 व 25 मई को अयोध्या में तथा सातवें चरण में गोरखपुर में हेलीकाप्टर मौजूद रहेगा। एयर एंबुलेंस के लिए 39.20 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 दैनिक जागरण, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

जागरूकता रैली

जासं • लखनऊ : लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नगर निगम की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को सभी वार्डों में चुनाव पाठशाला और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....दै0 अमर उजाला लखनऊ........ दिनांक ....14 APR 2024

पति-पत्नी की चुनाव ड्यूटी के मामले में नियमानुसार लें निर्णय : चुनाव आयोग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजा गया है कि पति-पत्नी दोनों के सरकारी सेवा में होने पर उनकी चुनाव ड्यूटी लगाते समय पूर्व के नियमों के तहत कार्यवाही की जाए। विभिन्न संगठनों ने इस मामले में आयोग से अनुरोध किया था।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 अमर उजाला लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

एंबुलेंस में मिली 194.25 लीटर शराब, पट्टी बांध मरीज बना था तस्कर

बलिया। यूपी-बिहार सीमा पर मांझी उत्पाद विभाग के चेक पोस्ट पर बृहस्पतिवार रात एक एंबुलेंस में फर्श के नीचे बने गुप्त तहखाने से 194.25 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। उत्पाद विभाग और पुलिस को चकमा देने के लिए एक तस्कर एंबुलेंस में मरीज बन पट्टी बांध लेटा मिला। हालांकि एंबुलेंस चालक के भागने के प्रयास से ही पुलिस को शक हुआ। मांझी थानाध्यक्ष ने बताया कि चालक समेत मरीज बने तस्कर को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है। संवाद

278.66 लाख की शराब, ड्रग, नकदी जब्त

लखनऊ। चुनाव आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन के क्रम में आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 12 अप्रैल, को कुल 278 .66 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातु व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 16 .94 लाख रुपये नकद धनराशि, 67 .26 लाख रुपये कीमत की 22912 .60 लीटर शराब जब्त की गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

प्रचार सामग्री हटाने का अभिान जारी

लखनऊ। आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 92,91,280 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 56,03,727 तथा निजी स्थानों से 36,87,553 प्रचार सामग्री हटायी गयी। सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 5,96,253, पोस्टर के 26,37,004 मामलों में कार्यवाही की गयी।

14 APR 2024

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान, लखनऊ दिनांक

10 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त

लखनऊ। आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में 12 अप्रैल को 10 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 63303 लोगों को पाबन्द किया गया। साथ ही 205 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 172 कारतूस व तीन बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 106 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और चार केन्द्रों को सीज किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....हि० हिन्दुस्तान, लखनऊ.... दिनांक 14 APR 2024

चुनाव में अनुबंधित बसें व कर्मी ड्यूटी से दूर रहेंगे

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में परिवहन निगम की अनुबंधित बसें और कर्मचारी चुनाव ड्यूटी से दूर रहेंगे। जबकि परिवहन निगम की खुद सात हजार से ज्यादा बसें सात चरणों के चुनाव में भेजी जाएगी। इस संबंध में परिवहन निगम के एमडी ने एक पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजा है। इसमें तीन हजार अनुबंधित बसें और कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी से मुक्त करने बात कहीं है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० हिन्दुस्तान, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

आम चुनावों में भी मामूली अंतर से होती है हार-जीत

विश्लेषण

अजीत कुमार

- लोकसभा का निर्वाचन क्षेत्र काफी वृहद और अत्याधिक मतदाता वाला
- इसके बावजूद कई बार कुछ सौ वोटों के अंतर से होती हार जीत

लखनऊ। पंचायत और विधानसभा की भांति लोकसभा चुनावों में भी बहुत कम अंतर से हार-जीत होती रही है। विधानसभा की अपेक्षा लोकसभा का निर्वाचन क्षेत्र काफी वृहद और अत्यधिक मतदाता वाला होता है लिहाजा हार-जीत के अन्तर में वोटों की संख्या तो अधिक प्रतीत होती है लेकिन कुल मतों की तुलना में बहुत कम मत प्रतिशत के अन्तर से हार-जीत होती है। वर्ष 2014 के मोदी लहर के बावजूद उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में कांटे की टक्कर रही और हार-जीत का अन्तर महज एक से डेढ़ प्रतिशत या उससे भी कम रहा है।

आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में चुनावी लहरों के दौरान भी लोकसभा चुनाव में कई प्रमुख प्रत्याशी बहुत ही कम अंतर से हार या जीत सके हैं। उदाहरण के तौर पर मोदी लहर को ही ले सकते हैं। मोदी लहर वाले 2014 और 2019 के आम चुनाव में कई महत्वपूर्ण सीटों पर एक प्रतिशत से भी कम वोटों से हार-जीत के फैसले हुए हैं। बीते 2019 के चुनाव में मछलीशहर संसदीय क्षेत्र से भाजपा के भोला नाथ (बी पी सरोज) ने मात्र 181 मतों से टी. राम पर जीत दर्ज की थी। इसी प्रकार से श्रावस्ती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से बसपा के शिरोमणि राम ने भाजपा के दद्दन मिश्रा पर केवल 5320 वोट से जीत दर्ज की थी। 2019 के आम चुनाव में ही कम अन्तर से हार-जीत का सिलसिला यही खत्म नहीं हो जाता।

मुजफ्फरनगर में भाजपा के डा. संजीव कुमार बालियान 6526 मतों से तथा मेरठ से भाजपा के ही राजेन्द्र कुमार अग्रवाल 4729 मतों से जीत सके थे। कन्नौज में भी भाजपा के सुब्रत पाठक सपा की डिम्पल यादव पर मात्र 12353 वोट से जीत दर्ज करा सके थे। इसी प्रकार से 2014 में संभल लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सत्यपाल सिंह मात्र 0.40 फीसदी मतों से ही जीत हासिल कर सके जबकि कन्नौज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से डिंपल यादव महज 1.79 प्रतिशत वोट से विजयी हो सकीं थी। इसी प्रककार से 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा की सीमा उपाध्याय 1.44 फीसदी मतों से जीती थीं जबकि भाजपा की मेनका गांधी आंवला संसदीय क्षेत्र से महज 1.09 प्रतिशत वोटों से जीत हासिल कर सकीं थीं। वहीं बरेली से बसपा के प्रवीण सिंह 1.32 प्रतिशत से तो खीरी से कांग्रेस के जफर नकवी ने बमुश्किल 1.24 प्रतिशत वोटों के अन्तर से जीत हासिल की थी। 2009 के चुनाव में तो चन्दौली में सपा के रामकिशुन ने महज 459 वोट से जीत हासिल की थी।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 1 4 APR 2024

होमगार्ड जवानों के इलेक्शन ड्यूटी भत्ते के ₹2,643 करोड़ का किया गया भुगतान

लखनऊ : लोकसभा चुनाव में ड्यूटी भत्ते के लिए होमगार्ड विभाग को 2643 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान कर दिया गया है। इस संबंध में होमगार्ड विभाग के संयुक्त सचिव पदमाकर शुक्ला द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। होमगार्ड मुख्यालय की तरफ से डीजी होमगार्ड ने एक अप्रैल को इस संबंध में प्रस्ताव भेजा था। प्रस्ताव में ड्यूटी भत्ते के लिए 40% राशि का अग्रिम भुगतान किए जाने की गुजारिश की गई थी। शासन ने 2643 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए हैं। इस रकम का 40% ड्यूटी पर तैनात होने वाले होमगार्डों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। (ब्यूरो)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

पति-पत्नी में एक की ही लगेगी चुनाव में ड्यूटी

लखनऊ : अगर पति और पत्नी दोनो सरकारी सेवा में है, तो किसी एक की ही चुनाव मे ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किए है। दंपती मे से कोई एक अपनी ड्यूटी हटाने के लिए प्रार्थनापत्र दे सकेगा। (ब्यूरो)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

आपात स्थिति से निपटने को तैयार रहेंगी एयर ऐंबुलेंस

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : लोकसभा चुनाव के सातों चरणों के मतदान के दौरान यूपी में एयर ऐंबुलेंस और हेलिकॉप्टर की व्यवस्था रहेगी। किसी तरह की आपात स्थिति, सुरक्षाकर्मियों या मतदान ड्यूटी में लगे कर्मचारियों की हेल्थ इमरजेंसी की स्थिति में उनका इस्तेमाल किया जाएगा। ये एयर ऐंबुलेंस व हेलिकॉप्टर किस चरण में कहां मौजूद रहेंगे, शासन ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

AI Image

19 अप्रैल को एयर ऐंबुलेंस बरेली में रहेगी। 26 अप्रैल को ऐंबुलेंस मेरठ, सात मई को बरेली, 13 और 20 मई को लखनऊ, 25 मई को प्रयागराज, एक जून को एयर ऐंबुलेंस वाराणसी में रहेगी। हेलिकॉप्टर की व्यवस्था 18-19 अप्रैल को मुरादाबाद, 25-26 अप्रैल को अलीगढ़, 6-7 मई को आगरा, 12-13 मई को कानपुर, 19-20 मई को झांसी, 24-25 मई को अयोध्या और 31 मई व एक जून को गोरखपुर में रहेगी।

एयर ऐंबुलेंस के लिए 5.60 लाख रुपये/दिन के हिसाब से 39.20 लाख रुपये का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड को एयर ऐंबुलेंस का जिम्मा सौंपा गया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

बच्चों ने मतदान के लिए किया जागरूक

■ एनबीटी, बीकेटीः प्राथमिक विद्यालय मल्लाहन खेड़ा में स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित चुनाव पाठशाला के दौरान रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में (डायट)से आईं अपर्णा सिंह ने लोगों को वोटिंग.करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर निलेश बाजपेयी, मीना सिंह, बिट्टन सिंह, हरिश्चंद्र, बीएलओ सुधा सिंह, संतोष, पवन, रोली, संजय कुमार, मीणा, राम रानी आदि मौजूद रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 नवभारत टाइम्स, लखनऊ दिनांक 1 4 APR 2024

आचार संहिता के उल्लंघन पर होगी तुरंत FIR

■ **एनबीटी, बाराबंकी** : डीएम सत्येंद्र कुमार ने शनिवार को लोक सभागार में बैठक के दौरान अफसरों से कहा कि वह आचार संहिता का उल्लंघन मिलने पर संबंधित के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज करवाएं। इस दौरा उन्होंने बैलेट मतपत्रों की छपाई, फैसिलिटेशन सेंटर, वेबकास्टिंग, बसों वाहनों की व्यवस्था, टेंट, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, खान पान, किराया आदि कामों पर संतोष जताया। बैठक में सीडीओ अ.सुदन, एडीएम अरुण कुमार सिंह व अन्य सभी विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। इधर डीएम व एसपी दिनेश कुमार सिंह ने शनिवार की शाम मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के मतदान केंद्र भट्ठवामऊ, बेलहरा व अंतरजनपदीय बैरियर का निरीक्षण कर पेयजल, बिजली व शौचालय व्यवस्था को देखा तथा सम्बन्धित को दिशा- निर्देश दिए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

चुनाव चिह्न के साथ मतपत्र में लगने लगे प्रत्याशियों के फोटो

■ रवीन्द्र प्रताप सिंह

लखनऊ। एसएनबी

चुनावी प्रक्रिया में समय के साथ लगातार सुधार होता रहा है। निर्वाचन आयोग चुनाव को साफ-सुथरा बनाने के साथ ही प्रत्याशियों के चाल-चरित्र, उनकी आय की मतदाताओं में पहचान कराने के लिए विभिन्न प्रयास करता रहा है। इसके लिए शपथ पत्र देने की व्यवस्था लागू की गयी। आयोग ने प्रत्याशी की प्रत्येक मतदाता तक पहचान कराने के लिए एक और निर्णय लिया जिसके तहत मतपत्रों (बैलेट पेपर) पर चुनाव चिह्न व उनके नाम के साथ ही उनका फोटो लगाना भी शुरू किया गया। चुनाव के शुरुआती दौर में सिर्फ नाम के साथ चुनाव निशान लगाये जाते थे और इसी के आधार पर मतदाता अपने प्रत्याशी को पहचान कर वोट डालते थे। आयोग की ओर से फोटो लगाने का निर्णय मई 2015 में लिया गया और फिर इसके बाद होने वाले सभी चुनावों में मतपत्रों पर प्रत्याशियों के फोटो छपने शुरू हो गये। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के विधान चुनाव से इसकी विधिवत शुरुआत हुई और यह व्यवस्था आगे और मजबूत की जा रही है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मतपत्रों में फोटो लगाने का काम पहली बार शुरू किया गया।

देश की आजादी के बाद जब मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई तो उस समय मतपत्रों का प्रयोग ही नहीं होता था। उस समय टिन के डिब्बों में कागज के कार्ड (पर्ची) डाले जाते थे। निर्वाचन आयोग ने 1962 के लोकसभा चुनाव आते-आते मतपत्रों की खोज कर ली थी। उस समय मतपत्र में प्रत्याशियों के नाम के साथ ही उनके चुनाव चिह्न डाले जाने लगे। मतदाताओं को अपनी पसंद वाले प्रत्याशी के नाम के साथ उसका चुनाव चिह्न याद रखना होता था। पढ़े-लिखे मतदाताओं के लिए तो यह आसान होता था। यदि वह किसी प्रत्याशी का चुनाव चिह्न भूल भी जाते थे तो नाम के सहारे वह उसे पहचान लेते थे और अपने मताधिकार का प्रयोग करते थे लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत अनपढ़ मतदाताओं के सामने देखने को मिली। ऐसे मतदाता यदि प्रत्याशी का चुनाव चिह्न भूल गये तो नाम न पढ़ पाने के कारण वह किसी दूसरे प्रत्याशी को ही वोट दे आते थे।

■ मतदान के समय प्रत्याशी को पहचानने के लिए लागू हुई व्यवस्था

■ मई, 2015 में निर्वाचन आयोग ने लिया था मतपत्र पर प्रत्याशियों के फोटो लगाने का निर्णय

■ इससे पहले तक सिर्फ नाम के साथ लगते थे चुनाव चिह्न

■ लोकसभा चुनाव 2019 में पहली बार लगाये गये मतपत्रों पर प्रत्याशियों के फोटो

समय के साथ बदलती चुनाव प्रक्रिया-भाग-नौ

राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को तो दलों के लिए निर्धारित चुनाव चिह्न ही दिये जाते हैं जो मतदाताओं के बीच प्रचलित भी होते हैं लेकिन गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों के चुनाव चिह्न निर्धारित नहीं होते हैं। उन्हें कोई भी चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया जाता है जो मतदाताओं के बीच ज्यादा प्रचलित नहीं होता है और उसे याद रखना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में उनके सामने गलत मतदान की संभावना बनी रहती है।

मतदाताओं की यह समस्या धीरे-धीरे निर्वाचन आयोग के समक्ष भी आयी। आयोग ने इसका निदान भी बहुत ही आसानी से खोज निकला और मतपत्रों में प्रत्याशियों के नाम, चुनाव चिह्न के साथ ही उनके फोटो को भी लगाने का निर्णय लिया गया। हालांकि इसको लागू करने में काफी देर हो गयी और मतपत्रों में इस परिवर्तन का फैसला पहली मई 2015 को लिया गया।

आयोग ने कहा कि लोकसभा, विधानसभा व अन्य चुनावों में मतदाताओं के मन में उत्पन्न भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए मतपत्रों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के फोटो भी लगाये जाएं। इसको लेकर निर्वाचन आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये। आयोग ने माना कि यदि मतपत्रों पर प्रत्याशियों के नाम, उनके चुनाव चिह्न के साथ ही उनकी फोटो भी लगा दी जाएगी तो पढ़े-लिखे मतदाताओं के साथ ही अनपढ़ मतदाता भी आसानी से अपने प्रत्याशियों को पहचान सकेंगे और उसी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उनके सामने मतदान करते समय किसी भ्रम की स्थिति नहीं रह जाएगी और उनकी अशिक्षा उन्हें सही मतदान करने में आड़े नहीं आएगी।

निर्वाचन आयोग ने अपने आदेश में कहा कि लोकसभा के साथ ही विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में होने वाले चुनावों में इसको लागू किया जाए। प्रत्याशियों के फोटो को मतपत्रों, पोस्टल बैलेट पेपरों और ईवीएम में लगने वाले मतपत्रों पर लगाये जाएं। उन्होंने कहा कि यह फोटो प्रत्याशी के नाम और चुनाव चिह्न के बीच में लगायी जाएगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों से नामांकन के समय नामांकन पत्र पर लगने वाले फोटो के साथ एक अतिरिक्त फोटो लिया जाए। दोनों फोटो एक समान होनी चाहिए। यह फोटो ब्लैक एण्ड व्हाइट या रंगीन भी हो सकती है। यह फोटो किसी भी वर्दी को पहनकर नहीं खिंचायी जाएगी और न ही टोपी या काले चश्मे को लगाकर खिंचायी जाएगी। हालांकि आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई प्रत्याशी अतिरिक्त फोटो देने में विफल रहता है तो यह प्रत्याशी के नामांकन पत्र को अस्वीकृति करने के लिए आधार कतई नहीं होगा। ऐसी स्थिति में नामांकन पत्र पर लगायी गयी फोटो को ही मतपत्र पर छपायी के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के इस आदेश के बाद पहली मई 2015 के बाद से होने वाले प्रत्येक चुनाव में इसका प्रयोग होने लगा। उत्तर प्रदेश में मतपत्रों में फोटो लगाने का कार्य सबसे पहले विधानसभा चुनाव 2017 में किया गया। इससे पहले कुछ राज्यों के हुए चुनावों में भी इसका प्रयोग किया गया। हालांकि उत्तर प्रदेश में ही जनवरी 2017 में विधान परिषद की पांच सीटों के लिए हुए चुनावों में भी प्रत्याशियों के फोटो का प्रयोग किया गया। इसके बाद से अब तक विभिन्न प्रदेशों में होने वाले विधानसभा चुनावों या लोकसभा या अन्य उपचुनावों में भी प्रत्याशियों के फोटो का प्रयोग उसके नाम व चुनाव चिह्न के साथ किया जाता रहा है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मतपत्रों में फोटो लगाने का काम पहली बार किया गया। इसके बाद से प्रत्येक चुनाव में इसका प्रयोग हो रहा है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी प्रत्याशी के नाम, उसके चुनाव चिह्न के साथ ही फोटो भी लगाये जाएंगे।

दिव्यांगजनों के लिए रेड कार्पेट बिछाएगा प्रशासन

प्रत्यूष मिश्र

लखनऊ। लोस चुनाव में दिव्यांगजनों के मतदान के प्रति चुनाव आयोग व जिला प्रशासन पूरी तरह से संवेदनशील है। लोस चुनाव के मतदान केंद्रो पर दिव्यांग मतदाताओं सुविधा के लिये रैंप व्हील चेयर व सहायक कर्मी रहेंगे। जो दिव्यांगजनों की हर एक सहायता के लिये तैनात रहेंगे। मतदान के दिन दिव्यांग वोटरों को वरीयता दी जायेगी। जिसमें दिव्यांग मतदाता सीधे बिना लाइन में लगे अपना मतदान कमरे में कम समय में कर पाएंगे। खासबात यह है कि दिव्यांगजनों को इस बार पोस्टल बैलेट की सुविधा की जा रही है। इस का सत्यापन चल रहा है। लेकिन अगर कोई दिव्यांगजन पोस्टल नही करना चाहता है। और वह मतदान केंद्र पर अपना मत डालता है, तो प्रशासन उसकी हर तरह की सुविधा मुहैया कराएगी। द्रष्टिवाधित मतदाताओं के लिये साथी की सुविधा होगी। साथ ही चलने फिरने में असमर्थ मतदाताओं को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा मुहैया कराई जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी सहायक अभय किशोर ने बताया कि जिले में 26556 दिव्यांग वोटर है। जिसमें सबसे ज्यादा बीकेटी विधानसभा से 3967 दिव्यांग वोटर है। उन्होने बताया कि सभी 1544 पोलिंग स्टेशनों

पर जब वहां कोई भी बुजुर्ग या दिव्यांग पहुंचेगा तो वहां पर वॉलिंटियर मौजूद होंगे व पर्याप्त संख्या में व्हील चेयर होगी।

घर के साथ मतदान केंद्र पर भी वोट डालने की मिलेगी सुविधा

जिले में 26556 दिव्यांग वोटर, बीकेटी विधान सभा में सबसे ज्यादा 3967 दिव्यांग वोटर

उन्होने बताया कि सक्षम ऐप का उपयोग कर दिव्यांग मतदाता अपने लिए व्हील चेयर की व्यवस्था कर सकते है। मतदान के दिन इन मतदाताओं के लिये पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिये फ्री सुविधा होगी। जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध नहीं रहेगा। वहां इनके लिये मतदान केंद्र तक आने जाने के लिये निजी वाहनो का भी प्रयोग किया जायेगा। साथ ही जो वाहन से भी मतदान केंद्र पर आने में असक्षम है ,उनके लिये घर पर ही मताधिकार के प्रयोग की व्यवस्था की गयी है। उन्होने बताया कि आयोग के दिशा-निर्देशानुसार लोस चुनाव में 40 फीसदी दिव्यांगता वाले सभी व्यक्तियों को घर से मतदान कराया जायेगा। जिसके लिये सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।

आयोग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए मताधिकार का उपयोग सहज व सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से सक्षम ऐप बनाया है। जिसकी निगरानी जिला प्रशासन के द्वारा लगातार की जा रही है। यह ऐप दिव्यांगजनों की सुविधा के लिये जिससे नए दिव्यांग मतदाता पंजीकरण के लिये अनुरोध कर सकते है, दिव्यांगजन के रूप में चिन्हित के लिये अनुरोध, प्रवास के लिए अनुरोध,एक स्थान से दूसरे स्थान पर वोट का स्थानांतरण ,सुधार के लिए अनुरोध,हटाने का अनुरोध ,चुनावी प्रमाणीकरण के लिये अनुरोध, व्हील चेयर के लिये अनुरोध, पिक एंड ड्रॉपर के लिये अनुरोध ,सहायता के लिये अनुरोध,मतदाता सूची में अपना नाम खोजे,अपने मतदान केंद्र को जान सकते है इस सक्षम ऐप में इसके अलावा स्थायी सुनिशचित न्यूनतम सुविधाओं पर भी जोर दिया जा रहा है। जिनमें पीने का पानी ,शौचालय, साइनेज, एक रैंप ,व्हील चेयर ,हेल्पडेस्क, मतदाता सुविधा केन्द्र,पर्याप्त रोशनी व शेड की व्यवस्था की जा रही है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै0 राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ...... दिनांक ......14 APR 2024

प्रभातफेरी निकाल मतदान के लिए किया जागरूक

मलिहाबाद-लखनऊ। मलिहावाद विकासखंड के कसमंडीकला प्राथमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों व शिक्षकों के द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 स्विप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत अभिभावकों, शिक्षकों, छात्रों व प्रधान सहित सभी लोगों ने मिलकर प्रभातफेरी निकाली। जिसमें बच्चों ने लोगों को शपथ दिलाई कि लोकसभा चुनाव में हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र निर्वाचन व जात-पात को हटाकर निष्पक्ष होकर हम सभी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रभातफेरी के दौरान अध्यापक, अध्यापिकाएं व प्रधान ने भी जनता को मतदान करने के लिए जागरूक किया और उन सभी से मतदान करने की अपील की। मतदान हम सभी का अधिकार है इसको व्यर्थ न जाने दे और आने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन चुनाव में वोट जरूर करें। इस प्रभातफेरी के दौरान प्रधान प्रतिनिधि संजय साहू व अध्यापक, अध्यापिका व ग्राम पंचायत सहायक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदान हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी है-एमपी सिंह

हरदोई। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज गाँधी भवन में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के सौजन्य से जनपद के उद्यमी, व्यापारी, मेडिकल स्टोर बन्धुओं की जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि कहा कि सभी लोग स्वयं व अपने परिवार के साथ वोट अवश्य करें, क्योकि मतदान हमारा अधिकार भी है और कर्तव्य भी है और पूर्व के चुनाव में कम मतदान को हम सभी को गंभीरता से लेते हुए मतदान में जनपद को शीर्ष पर लाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि जनपद की वोटर लिस्ट को बेहतर बनने का प्रयास किया गया है।

जेन्डर रेशियो व इपी रेशियो बढ़ा है। महिलाओ, युवाओं व दिव्यांगों को समर्पित बूथ बनाये जा रहे हैं। सभी बूथों को आदर्श बूथ बनाया जा रहा है। मतदान केन्द्रो को सजाया जा रहा है। सभी लोग 13 मई को मतदान करने अवश्य जाए क्योंकि एक और एक मिलकर ही ग्यारह होता है। सभी लोगो को 7 मई तक मतदाता पहचान पर्ची पहुंचा दी जाएगी। प्रत्येक परिवार में एक वोटर गाइड पहुंचा दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी व्यापारी बन्धुओं को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि सभी लोग मतदान कर जनपद को मतदान प्रतिशत में शीर्ष पर लेकर आएं।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दै० टाइम्स ऑफ इंडिया, लखनऊ .... दिनांक : 14 APR 2024

Dist jail's innovative way to encourage visitors to cast vote

Mohammad.Dilshad
@timesgroup.com

Muzaffarnagar: As the visitors flocked to district jail of Muzaffarnagar to meet their kin amidst scorching heat on Friday, they were treated to motivational messages being stamped on their hands in a bid to encourage them for casting vote in the upcoming Lok Sabha elections.

The initiative, which was the brainchild of Muzaffarnagar district magistrate Arvind Malappa Bangari and jail superintendent Sitaram Sharma, was held at a camp placed outside the jail premises.

Officials stamped the hands of the visitors with unique messages including 'Ek vote, Ek Soch', 'Vote For India', 'Matdaan 19 April' and 'Pehle Matdaan, Phir Jalpaan'.

Muzaffarnagar ADM, finance and revenue, Gajendra Kumar said, "Over 900 visitors were stamped with motivational messages. We urged them not just to vote but also to become SVEEP (Systematic Voters Education and Electoral Participation Programme) ambassadors and motivate others to use their right to franchise, both personally and on social media. We will continue the initiative till the district goes to polling."

ADM SAYS

Over 900 visitors were stamped with motivational messages

GAJENDRA KUMAR

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० टाइम्स ऑफ इंडिया, लखनऊ दिनांक 14 APR 2024

Meerut varsity students make 'rangoli' for voting awareness

Krishna Chaudhary | TNN

Meerut: The students of the fine arts department at Meerut University made a massive 5000 sq ft rangoli on Friday to spread awareness among 19 lakh voters of the Meerut-Hapur Lok Sabha constituency,

as part of a SVEEP initiative by the district administration on Friday.

Chief development officer, Nupur Goel, who was present at the event, said, "We have a simple message: they should not view the voting day as a 'holiday'; they must step out of their homes and cast their votes."

Dr Alka Tiwari said, "It took four days to plan the rangoli. We used fodder over flower petals because of its the size. Thousands of students pass through this area and we aim to raise awareness among them which is why the university was chosen for the event."

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दै0 हिन्दुस्तान टाइम्स, लखनऊ दिनांक .... 14 APR 2024

As campaign heat rises, poll pitch for subtle polarisation gets intense in west U.P.

In the region defined by a strong Muslim population and existing communal fault lines, politicians switch to recall of "exodus", "curfew", "fatwa" and "riots"

DIFFERENT STROKES

- The BJP is raking up issues like Hindu exodus from many western districts, communal riots followed by prolonged curfews, disruptions to kanwar yatras.
- In contrast, the SP-Cong alliance challenging the BJP-led NDA has made surprising choices by fielding Hindu candidates in some constituencies dominated by Muslims.
- Congress candidate Imran Masood has been publicly spotted visiting temples and singing "Ram Dhun."

Brajendra K Parashar

bkparashar@htlive.com

Elections 2024

LUCKNOW: With less than a week to go for the first phase of Lok Sabha elections in Uttar Pradesh, contentious issues are coming to the forefront of the campaign rhetoric in the state's western region, which has a significant Muslim population and communal fault lines, as terms like "exodus", "curfew", "fatwa" and "riots" are coming into play.

Eight of the 80 Lok Sabha constituencies are scheduled for the first phase voting on April 19. All these eight seats fall under western U.P.

The BJP is raking up issues like Hindu exodus from many western districts, communal riots followed by prolonged curfews, disruptions to kanwar yatras (religious pilgrimages undertaken by devotees of Lord Shiva) issuance of fatwas and hurdles created in the construction of the Ram temple in Ayodhya in an apparent bid to rally Hindu voters to its cause.

In contrast, the SP-Congress alliance challenging the BJP-led National Democratic Alliance (NDA) has made surprising choices by fielding Hindu candidates in some constituencies dominated by Muslims, such as Meerut and Moradabad.

Notably, Congress candidate Imran Masood, who had allegedly made the controversial "boti-boti" remarks against the BJP's then PM candidate Narendra Modi in 2014, has been publicly spotted visiting temples and singing "Ram Dhun".

On Friday, while addressing a rally in Deoband town, which has an important Islamic seminary in Saharanpur, chief minister Yogi Adityanath claimed that chaos and anarchy were spread through fatwas from Deoband. He accused previous governments of making the seminary a place of religious fanaticism.

He also attacked the Congress and the Samajwadi Party for "bowing before mafia elements" and said his government took strict action against them and today some of them are in jail and some in "hell". Among these important mafias, he referred to are also Atiq Ahamad, his brother Ashraf and Mukhtar Ansari.

Earlier, addressing a poll rally in Meerut a few days ago, Yogi asked people if they wanted kanwar yatras or curfews, trying to remind them of how communal riots would break out over kanwar yatras in western UP in the past. The crowd cheered for him hearing the question.

Addressing a poll rally in Muzaffarnagar that witness riots in 2013, Union home minister Amit Shah spoke about the Hindu exodus from Kairana and other cities before the BJP came to power in U.P. in 2017.

"Now criminals and mafias are leaving the state and not the innocent people'," he said even as the crowd clapped. Similarly, Prime Minister Narendra Modi has often blamed the Congress and other Opposition parties for creating hurdles in the way of construction of the grand Ram temple in Ayodhya.

Pawan Sharma, a professor of political science in the Chaudhary Charan Singh University, Meerut, said development and good law and order were very much important issues strongly favouring the BJP in western UP.

"Buy by raking up contentious issues, the BJP leaders are only trying to invoke Hindu fears to drive the point home that the double engine government has been able to unleash development in and bring peace to the region by dealing a blow to minority appeasement," he said.

He said that the Congress-SP alliance appeared to be fearing polarization in view of a growing consolidation of Hindus in recent years.

"Since Hindus consolidation has been seen in recent years, polarised elections often harm the BJP's opponents and this explains leaders like Imran Masood, known for his controversial hate remark against Modi during Lok Sabha elections 2014, is now seen talking of Hindu-Muslin harmony," he said.

Former minister and BJP leader from western UP Ashok Katariya denied that the party was making any bid to polarise polls by raising controversial issues.

"We are fighting on the development plank, but we are also reminding the people of what the situation was like before 2017 and cautioning them to keep the same in mind while casting their vote," he said on the phone from Amroha.

The opposition parties, he alleged, had done a lot of harm to the Hindus and now when the Hindus are getting united, leaders like Imran Masood were making temple runs. "But voters are intelligent enough to see through everything," he said.